पाठ्यक्रम (लेक्चरर काडर की भर्ती परीक्षा के लिए)

विषय : हिंदी

नोट : परीक्षा की कठिनाई का स्तर स्नातकोत्तर रहेगा।

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. आदिकाल व मध्यकाल :

I. (i) हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

(ii) आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य.

(iii) आदिकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार।

II.(i)भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्य धाराएँ – संतकाव्य–प्रमुख संत कवि और उनका योगदान, सूफी काव्य–प्रमुख कवि और उनका योगदान, राम व कृष्ण काव्य–प्रतिनिधि कवि और रचनागत वैशिष्ट्य

(ii) रीतिकाल–नामकरण, परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न धाराएँ, प्रतिनिधि कवि व रचनाएँ

III. **प्रमुख कवि : चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, कबीर, सूरदास, तुलसीदास,रसखान रैदास, मीराबाई, गुरु तेगबहादुर,जायसी,विद्यापति, केशव,बिहारी, घनानन्द,गुरु गोबिन्द सिंह, भूषण और रहीम ।**

(2) आधुनिक काल :

(i) आधुनिक काल की पृष्ठभूमि,नामकरण, काल विभाजन, विशिष्टताएँ, आधुनिक काल व नवजागरण।

(ii) भारतेन्दु युग, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

(iii) द्विवेदी युग, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

(iv) छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

(v) उत्तर–छायावादी काव्य की विशेषताएँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

3.हिन्दी गद्य का आरंभ व विकास

(i) कहानी विधा का विकास

(ii) उपन्यास विधा का विकास

(iii) नाटक विधा का विकास

(iv) निबन्ध विधा का विकास

(v) हिन्दी आलोचना का विकास
(vi) नव्यतर विधाओं का विकास
(vii) हिन्दी पत्रकारिता का विकास

प्रमुख कवि : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी,अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध',जयशंकर प्रसाद,सुभद्राकुमारी चौहान,महादेवी वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला,सुमित्रानन्दन पंत, हरिवंश राय बच्चन ,रामधारी सिंह दिनकर,अज्ञेय,मुक्तिबोध, नागार्जुन,दुष्यंत कुमार

प्रमुख कहानीकार : **जयशंकर प्रसाद, मुंशी प्रेमचन्द, कमलेश्वर,जैनेन्द्र कुमार,सुदर्शन**

प्रमुख निबन्धकार :रामचन्द्र शुक्ल, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी , बाबू गुलालबराय, रामधारी सिंह दिनकर, हरिशंकर परसाई

प्रमुख नाटककार :भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ,जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश,उपेन्द्रनाथ अश्क,डा.लक्ष्मीनारायण लाल, हरिकृष्ण प्रेमी,जगदीशचन्द्र, विष्णु प्रभाकर,धर्मवीर भारती, (गीति–नाट्य–साहित्य में प्रमुख)

प्रमुख आलोचक : **रामचन्द्र शुक्ल ,हज़ारी प्रसाद द्विवेदी** ,रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

(ख) भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धांत

(i) काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार
(ii) रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप , रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
(iii) अलंकार सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ , अलंकारों का वर्गीकरण।
(iv) रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली,रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।
(v) वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा एवं वक्रोक्ति के भेद
(vi) ध्वनि–सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
(vii) औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ग) पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समकालीन आलोचना सिद्धान्त

I. (i) प्लेटो : आदर्शवाद
(ii) अरस्तु : अनुकरण सिद्धांत और विरेचन सिद्धांत
(iii) होरेस : औचित्य सिद्धांत
(iv) लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत
(v) टी.एस.इलियट :परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धांत

(vi) आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत

II.(i) मार्क्सवाद

(ii) मनोविश्लेषणवाद

(iii) अस्तित्ववाद

(iv) शैलीविज्ञान

(v) संरचनावाद और उत्तर आधुनिकतावाद

(vi) नारी विमर्श एवं दलित विमर्श

(घ) भाषा एवं भाषा विज्ञान

1(i) भाषा : परिभाषा तथा प्रकृति ।

(ii) भाषा के विविध रूप : बोली, उपबोली, मातृभाषा, राज्यभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा और अन्तर्राष्ट्रीय भाषा

II. ध्वनि विज्ञान

ध्वनि की उत्पत्ति प्रक्रिया, ध्वनि यंत्र, ध्वनि के प्रकार, स्वर तथा व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण

III. **भाषा परिवार :** भाषा परिवार से अभिप्राय

आर्य परिवार की भाषाएँ–वैदिक संस्कृत की ध्वनियाँ एवं रूप संरचना, लौकिक संस्कृत की ध्वनियां एवं रूप संरचना, अपभ्रंश की ध्वनियाँ एवं रूप संरचना

IV.अर्थ विज्ञान

(i) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध

(ii) अर्थ परिवर्तन के कारण

(iii) अर्थ परिवर्तन की दिशाएं

(iv) हिंदी में शब्द के प्रकार

V. हिंदी भाषा का अध्ययन :

(i)हिंदी का स्वरूप परिचय, हिंदी की उपभाषाएं , उपभाषाओं की बोलियों का सामान्य परिचय,पश्चिमी हिंदी तथा पूर्वी हिंदी

(ii)अवधी भाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास , अवधी भाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना ।

(iii) ब्रज भाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास , ब्रज भाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना ।

VI. मानक हिंदी :

(i) मानक हिंदी और खड़ी बोली में अंतर

(ii) मानक हिंदी की ध्वनियाँ

(iii) मानक हिंदी में शब्द भंडार एवं उसके विविध रूप

(iv) मानक हिंदी की रूप संरचना- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय एवं अव्यय।

(v) मानक हिंदी की वाक्य संरचना - वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार

(vi) हिंदी : राजभाषा के रूप में

VII. देवनागरी लिपि

(i) देवनागरी लिपि का उद्‌भव व विकास

(ii) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और महत्व

(iii) **देवनागरी लिपि** के दोष,दोष का सुधार एवं दोष सुधार के लिए किए गए प्रयास ।

(iv) देवनागरी लिपि का मानक रूप तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण